Result Mitra IAS/PCS Daily Magazine Content

प्रवासी भारतीय दिवस

➢ चर्चा में क्यों ?

- प्रवासी भारतीय दिवस के 18वें संस्करण का आयोजन 8 से 10 जनवरी की उड़ीसा के भुवनेश्वर में आयोजित किया जा रहा हे।
- बुधवार (8 जनवरी) को प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन की शुरुआत ओडिसा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने की एवं इसमें केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया और विदेश मंत्री एस जयशंकर भी मौजूद रहे।
- प्रवासी भारतीय दिवस के 18 वें सम्मेलन में दुनियाभर के 5000 से अधिक प्रवासी एकत्रित होंगे जिन्होंने भारत की आर्थिक, सांस्कृतिक और पर्यटन आकांक्षाओं में अपने योगदान से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 जनवरी को 18 वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे।
- *** इस प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में त्रिनिदाद और टोबेगो की राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू मुख्य अतिथि के रूप में वर्चुअल माध्यम से सम्मेलन को संबोधित करेंगी।
- *** गौरतलब है कि भारत के विकास में प्रवासी भारतीय समुदाय के आयोजन को चिन्हित करने के लिए 2003 से 9 जनवरी को प्रत्येक वर्ष प्रवासी भारतीय दिवस मनाया जाता है।
- 18वें प्रवासी भारतीय दिवस का विषय "विकसित भारत में प्रवासी भारतीयों का योगदान" है जिसका उद्देश्य भारत और उसके विदेशी भारतीय समुदायों के बीच संबंधों का जश्न मनाना है।

- इस वर्ष 18वें भारतीय प्रवासी दिवस के अवसर पर विभिन्न देशों के 27 व्यक्तियों एवं संगठनों को प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

➢ प्रवासी भारतीय दिवस क्यों मनाया जाता है ?

- *** भारतीय विधिवेत्ता और सांसद एल एम सिंघवी की अध्यक्षता में प्रवासी भारतीय पर एक उच्च स्तरीय समिति ने जनवरी 2002 में केंद्र सरकार से सिफारिश की थी कि सरकार को प्रवासी भारतीय के मूल स्थान और एक दूसरे के साथ संबंधों को नवीनीकृत और मजबूत किया जाना चाहिए।
- इस समिति ने सिफारिश की थी कि भारत और इसके प्रवासी भारतीय समुदाय के बीच नेटवर्किंग के केंद्र बिंदु के रूप में "एक प्रवासी भारतीय भवन" की स्थापना की जानी चाहिए।
- केंद्र सरकार ने इस समिति की सिफारिशों को मानते हुए पहली बार 2003 में "प्रवासी भारतीय दिवस" सम्मेलन आयोजित किया।

- *** प्रवासी भारतीय दिवस को मनाने के लिए 9 जनवरी का दिन इसलिए चुना गया क्योंकि इसी दिन 1915 को महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे थे।
- महात्मा गांधी ने अफ्रीका से लौटकर भारत के स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया और भारतीयों के जीवन को हमेशा के लिए बदल दिया।
- वर्ष 2015 में गांधीजी की भारत वापसी की शताब्दी वर्ष पूरा होने के अवसर पर हर 2 साल में आयोजित होने वाली प्रवासी भारतीय सम्मेलन का आयोजन वार्षिक कर दिया गया।

➢ प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार :

- प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के हिस्से के रूप में "प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार" नामक एक पुरस्कार प्रदान किया जाता है।
- *** इस आयोजन के आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार यह पुरस्कार किसी भी अनिवासी, भारतीय मूल के व्यक्तियों को दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार है।
- यह पुरस्कार अनिवासी भारतीय मूल के लोगों द्वारा संचालित या स्थापित संगठन या संस्था को भी दिया जाता है।
- यह प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार विदेशों में भारत के बारे में बेहतर समझ बनाने, भारत के कारणों का समर्थन करने और स्थानीय भारतीय समुदाय के कल्याण के लिए भारतीय डायस्पोरा के योगदान को याद करने के लिए है।
- इस वर्ष अमेरिका, फिजी, गुयाना, मॉरिशस, मोल्दोवा, म्यांमार, रूस ओर और सऊदी अरब जैसे देशों से 27 व्यक्तियों और संगठनों को इस पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।
- प्रवासी भारतीय दिवस के समापन सत्र के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू यह पुरस्कार प्रदान करेगी।
- इस वर्ष का प्रवासी भारतीय सम्मेलन आयोजन ओडिसा में क्यों?
- जैसा कि भारत एक्ट ईस्ट पॉलिसी के 10 वर्ष पूरा कर रहा है ऐसे में अधिकारियों का कहना है कि ओडिशा अपनी विशाल तट रेखा अच्छी तरह से विकसित बंदरगाहों और

Result Mitra

प्रचूर प्राकृतिक संसाधनों को देखते हुए आसियान क्षेत्र और इंडो–पेसिफिक के निवेशकों और व्यापार हितधारकों को बड़े आर्थिक अवसर प्रदान करना चाहता है।

- ओडिशा खनन, लौह और इस्पात विनिर्माण, समुद्री अर्थव्यवस्था, खेल, कौशल और यहां तक कि ज्ञान अर्थव्यवस्था में अग्रणी है।
- प्रवासी भारतीय दिवस का ओडिसा में आयोजन प्रवासी भारतीयों को यह दिखाने का अवसर प्रदान करेगा कि ओडिशा दुनिया को क्या प्रदान कर सकता है और यहां निवेशकों के लिए क्या अवसर है।

➢ प्रवासी भारतीय का वर्गीकरण :

- ऐसे लोग जो भारत छोड़कर विश्व के दूसरे देशों में जाकर बस गए हैं उन्हें प्रवासी भारतीय कहते हैं।
- *** प्रवासी भारतीय को तीन श्रेणियां में वर्गीकृत किया गया है :

i. अनिवासी भारतीय (NRI, Non–Resident Indian)
ii. भारतीय मूल के व्यक्ति (PIO, Person Of Indian Origin) तथा
iii. भारत के प्रवासी नागरिक (OCI, Overseas Citizen Of India)

- NRI यानि अनिवासी भारतीय वे भारतीय हैं जो विदेशों के निवासी है।
- वर्ष 2015 में भारतीय मूल के व्यक्ति (PIO) श्रेणी को समाप्त कर इसे भारत के प्रवासी नागरिक (OCI) में विलय कर दिया गया।
- विदेश मंत्रालय के अनुसार PIO का तात्पर्य एक विदेशी नागरिक (पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, चीन, ईरान, भूटान, श्रीलंका और नेपाल के नागरिकों को छोड़कर) से है जिसके पास किसी भी समय भारतीय पासपोर्ट था या उनके माता-पिता/दादा-दादी /परदादा–परदादी में से कोई एक भारत सरकार अधिनियम–1935 में परिभाषित नियम के अनुसार भारत में पैदा हुआ था, भारत में स्थायी रूप से रहता था या भारतीय नागरिक का जीवनसाथी था, भारतीय मूल के लोग (PIO)के अंतर्गत आता है।
- वर्ष 2006 में OCI की एक श्रेणी बनाई गई थी।

- OCI कार्ड ऐसे विदेशी नागरिकों को दिया जाता था, जो 26 जनवरी 1950 को भारत का नागरिक होने के योग्य था या 26 जनवरी 1950 के बाद किसी भी समय भारत का नागरिक रह चुका था।

➢ भारतीय प्रवासियों का इतिहास :

- डायस्पोरा शब्द एक ग्रीक शब्द है जिसका तात्पर्य "फैलाव" होता है।
- भारतीय डायस्पोरा की शुरुआत भारतीयों के पहले जत्थे को "गिरमिटिया व्यवस्था" के तहत गिरमिटिया मजदूरों के रूप में पूर्वी प्रशांत और कैरिबियाई द्वीपों में जाने के साथ हुई।
- 19 वीं और 20 वीं सदी की शुरुआत में हजारों भारतीय को उपरोक्त ब्रिटिश उपनिवेशों में वृक्षारोपण का काम करने के लिए भेजा गया।
- प्रवासन की दूसरी लहर के रूप में लगभग 20 लाख भारतीय खेतों में काम करने के लिए 1840–50 में सिंगापुर और मलेशिया गए।
- प्रवासन की तीसरी और चौथी लहर के रूप में कच्चे तेल के खनन के लिए पेशेवर भारतीय पश्चिमी देशों और खाड़ी के देशों की ओर गए।

Result Mitra

➢ प्रवासियों की संख्या और भौगोलिक प्रसार :

- विदेशी मामलों की संसदीय समिति की 22 अगस्त 2022 की रिपोर्ट के अनुसार 31 दिसंबर 2021 तक 4.7 करोड़ भारतीय विदेशों में रह रहे थे।
- इस रिपोर्ट के अनुसार कुल भारतीय जो विदेशों में रह रहे हैं उनमें NRI, PIO, OCI और छात्र शामिल है।
- छात्रों की संख्या को छोड़कर कल 3.22 करोड़ भारतीय विदेश में रह रहे हैं जिनमें 1.87 करोड़ PIO और 1.35 करोड़ NRI शामिल है।
- संयुक्त राष्ट्र के तहत प्रवासन के लिए अंतरराष्ट्रीय संगठन द्वारा तैयार विश्व प्रवासन रिपोर्ट के अनुसार भारत में दुनिया की सबसे बड़ी प्रवासी आबादी है।
- भारत के बाद इसमें मेक्सिको, रूस और चीन का स्थान आता है।

- *** प्रवासी भारतीय के शीर्ष पसंदीदा देशों में संयुक्त अरब अमीरात (UAE), अमेरिका और सऊदी अरब है।
- 10 लाख से अधिक प्रवासी भारतीय वाले देशों में संयुक्त राज्य अमेरिका (44 लाख), यूनाइटेड किंगडम (17.6 लाख),संयुक्त अरब अमीरात (34 लाख), श्रीलंका (16 लाख), दक्षिण अफ्रीका (15.6 लाख),सऊदी अरब (26 लाख), म्यांमार (20 लाख), मलेशिया (29.8 लाख), कुवैत (10.2 लाख) और कनाडा (16.8) लाख शामिल हे।

Result Mitra

MCQ–1 : प्रवासी भारतीय दिवस के संबंध में निम्न कथनों पर विचार करके सही विकल्प का चयन करें।

कथन – 1 : प्रवासी भारतीय दिवस मनाने की शुरुआत वर्ष 2003 से की गई।

कथन–2 : भारत के विकास में प्रवासी भारतीय समुदाय के योगदान को चिन्हित करने के लिए प्रवासी भारतीय दिवस मनाया जाता है।

कथन –3 : प्रवासी भारतीय दिवस को मनाने के लिए 9 जनवरी का दिन इसलिए चुना गया क्योंकि इस दिन 1915 को महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत वापस लौटे थे।

कथन–4 : प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का आयोजन द्विवार्षिक होता है।

a) केवल कथन 1 एवं 3 सही है।
b) कथन 1,2 एवं 3 गलत है।
c) कथन 4 गलत है।
d) सभी कथन सही है।

Ans.–(c)

Mains–1 : प्रवासी भारतीय दिवस क्यों मनाया जाता है एवं प्रवासी भारतीय के वैश्विक प्रसार का उल्लेख करते हुए इसके भारत के लिए महत्व का उल्लेख करें ?

स्टार पॉइंट वाले पैराग्राफ प्रीललम्स एग्जाम के ललए अति महत्वपूर्ण हैं

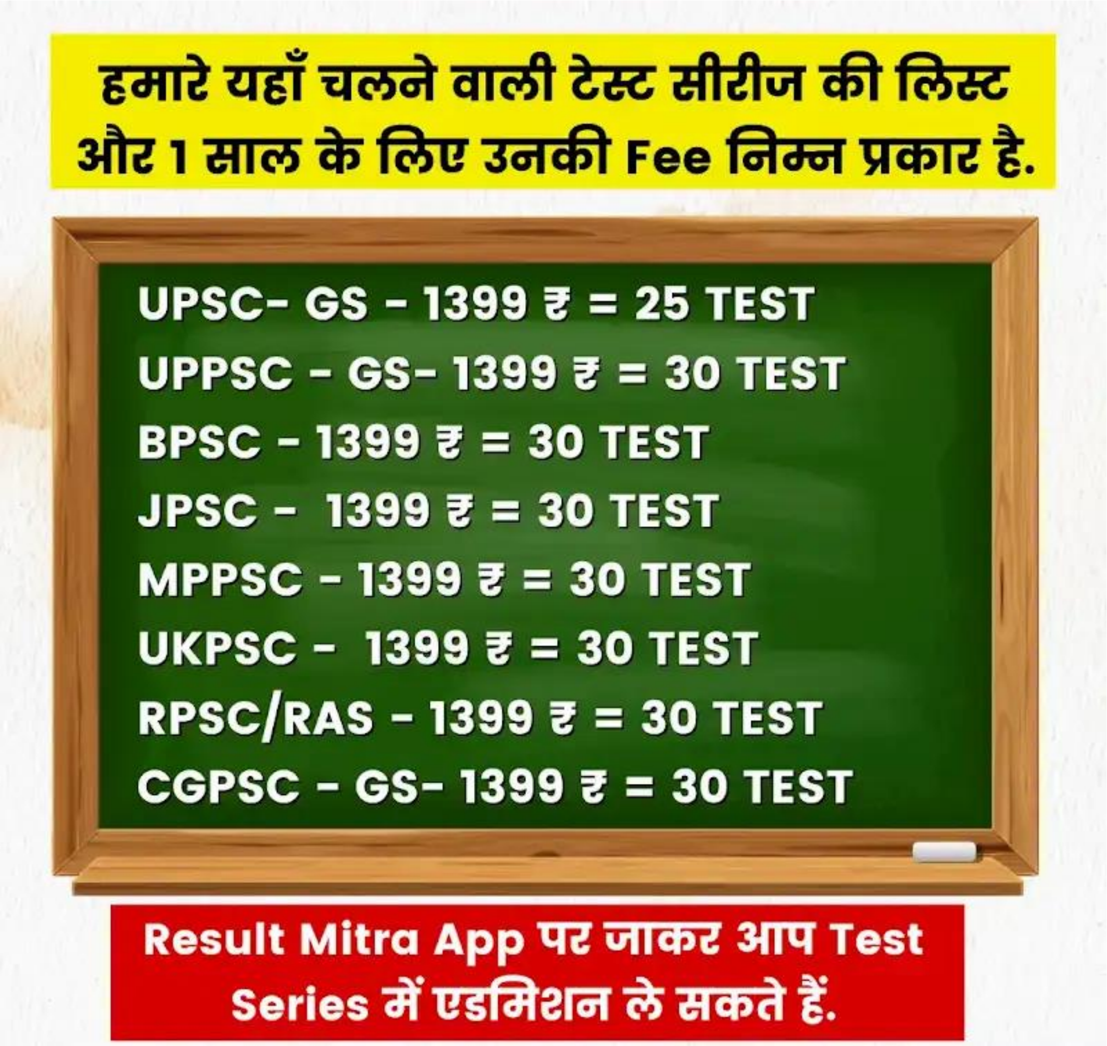

हम आपको रिजल्ट देने आये हैं.
Result Mitra
1- UPSC(IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
5- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹
कोर्स या Test Series के लिए
WhatssApp कीजिये
9235313184, 9235446806